1970 को निम्नलिखित मदों के उत्पादन के लिए आशय पत्र दिया :—

(मी० टन प्रति वर्ष)

(i)	ट्रिपल सुपरफास्फेट/डायामोनियम सल्फेट	300,000
(ii)	अमोनिया	210,000
(iii)	यूरियां	200,000
(iv)	अमोनियम क्लोराइड	180,000

2. सितम्बर, 1970 में आयातित फास्फोरिक अम्ल पर आधारित विभिन्न परियोजनाओं को जिनमे मैसर्स टाटा भी सम्मिलित है, अम्ल के केप्टिव उत्पादन के लिए सुविधाओ का विकास करने तथा तदनुसार अपने प्रस्तावों में संशोधन करने की सलाह दी गई। ऐसा विश्व बाजार में सल्फर के मूल्य में हुई भारी कमी तथा देश मे काफी राक फास्फेट निक्षेपो के वाणिज्यिक को दोहन के सन्दर्भ मे किया। जुलाई, 1972 में में कम्पनी ने आशय पत्र को और बढ़ाने की प्रार्थना के साथ साफ उसमे संशोधन करने का भी अनुरोध किया ताकि केवल नाइट्रोजनीय उर्वरक के उत्पादन के लिए व्यवस्था की जा सके। मई 1972 में निम्नलिखित क्षमताओ के साथ आशय पत्र मे संशोधन किया गया :

(मी० टन प्रति वर्ष)

(i)	अमोनिया	210,000
(ii)	यूरिया	200,000
(iii)	अमोनियम क्लोराइड	180,000

3. पार्टी ने 17-11-1972 को संबंधित आशय पत्र एक औद्योगिक लाइसेंस में बदलने का निवेदन किया। कम्पनी ने आशय पत्र की शर्तों को पूरा नहीं किया अतएव उसे औद्योगिक लाइसेंस प्रदान करना अभी समय से पूर्व की बात समझा गया परन्तु कम्पनी की प्रगति को ध्यान में रखते हुए उसे 25-7-1970 को प्रदान किए गए आशय पत्र की वैधता की अवधि 31-12-1973 तक बढ़ा दी गई। पार्टी सरकार को बता चुकी है कि वह इस परियोजना को और आगे चालू नही रखना चाहती। पार्टी ने आशय पत्र की वैधता की अवधि को बढ़ाने के लिये भी आवेदन नही किया है। आशय पत्र की वैधता की तिथि 31 दिसम्बर 1973 को समाप्त हो गई।

समुद्र से तेल और गैस की खोज

70. **श्री लाल जी भाई** : क्या **पेट्रोलियम और रसायन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बहुत से देश समुद्र से पैट्रोलियम और गैस निकालने में सफल हो गये हैं ;

(ख) यदि हां, तो भारत ने इस दिशा मे क्या प्रयत्न किये है ; और

(ग) इस प्रयत्न में कौन कौन से देश भारत की मदद कर रहे हैं या करने वाले है और तत्संबंधी ब्योरा क्या है ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) अतटीय क्षेत्रों अर्थात आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, नार्वे, अफ्रीका के पश्चिमी तट आदि में गैस तथा तेल के बड़े भंडार पाये गये है। फारस की खाड़ी, अफ्रीका, इंडोनेशिया तथा अमरीका में भी अतटीय क्षेत्रों मे तेल के काफी भंडार पाये गये है।

(ख) तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग ने 1970 में खम्भात की खाड़ी में अलियाबेट नामक स्थान पर अतटीय अन्वेषण कार्य के क्षेत्र में प्रथम प्रयास किया है। हालांकि वहां तेल पाया गया था, लेकिन वह वाणिज्यिक स्तर का नहीं था तथापि विश्व बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में हुई अत्यधिक वृद्धि को दृष्टि में रखते हुए इस बात का पुन: मूल्यांकन किया जा रहा है कि क्या अलियाबेट क्षेत्र के पुन: अन्वेषण करना वाणिज्यिक तौर पर लाभ प्रद होगा। इस समय, बम्बई हाई संरचना जिसमें 'सागर सम्राट' का इस्तेमाल किया जा रहा है – में अतटीय व्यधन कार्य में प्रगति हो रही है।

(ग) आपशोर इंटरनेशनल एस० ए० नामक एक अमरीकन फर्म बम्बई हाई संरचना में अतटीय व्यधन कार्य में तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग की सहायता कर रहीं है। इस के अतिरिक्त जनरल कान्ट्रेक्टर टाइप आधार पर अतटीय अन्वेषण के लिये कुछ विदेशी पार्टियों के साथ बातचीत की जा रहीं है।

कारों और स्कूटरों का गैस से चलाया जाना

71. **श्री लालजी भाई :** क्या **पेट्रोलियम और रसायन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हाल ही में तेल संकट उत्पन्न हुई स्थिति के कारण कुछ उत्साही व्यक्तियों ने देश के विभिन्न भागों में कार, स्कूटर तथा अन्य गाड़ियां गैस से चलाकर दिखाई ;

(ख) क्या सरकार ने गैस से स्कूटर कार तथा अन्य गाड़ियां चलाने पर प्रतिबन्ध लगा दिया है ; और

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग). तरल पदार्थों पैट्रोलियम गैस मुख्यतया घरेलू ईंधन के लिये बनी और उसी के आधार पर इसका मूल्य नियत किया है। तरल पैट्रोलियम गैस का कुल उत्पादन देश में मोटर गैसों लीडन (एम० एस०) खपत का एक भाग है। इस लिये मोटर स्पिरिट के लिये स्थानापन्न नहीं हो सकती। इसके अतिरिक्त से दोनों उत्पाद कच्चे तेल के परिकरण के उप-उत्पाद होने के कारण एक के स्थान पर दूसरे का प्रयोग करने से कोई समग्र लाभ नहीं होगा। तथापि इस तरह का कोई प्रतिबन्ध नहीं लगाया गया हैं।

Prices of Petrol in India as compared to those in other Countries

72. SHRI RANA BAHADUR SINGH: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be leased to state:

(a) whether the prices of petrol in India are the Second highest in the World;

(b) if not, the figures after the price rise in the World's important countries; and

(c) the steps Government propose to take in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS (SHRI SHAHNAWAZ KHAN): (a) and (b). Recently, there have been several increases in quick succession some of them very steep, in the prices of crude oil. All this has led to frequent changes in the prices of petrol in different countries. In this fluid situation, information re-